6

Post Code

क्रमांक/NO: 100123

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्
COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH

सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2024

पेपर- I : लैंग्वेज कॉम्प्रिहेंशन एंड प्रिसिस राइटिंग/Paper – I : Language Comprehension and Precis writing

समय/Time – 2.00 Hours

अंक/ Marks – 100

अभ्यर्थी द्वारा नीली/काली स्याही के बॉल प्वाइंट पेन से भरा जाना है /To be filled in by the candidate with blue/black ink ball point pen

उम्मीदवार का विवरण /PARTICULARS OF THE CANDIDATE (Write in Block Letters)

रोल न. (अंकों में)/Roll Number (In figures)________________________

(रोल नं. (शब्दों में)/Roll Number (In words)________________________

अभ्यर्थी का नाम/Name of the candidate________________________

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर/Signature of the Candidate________________________

मूल्यांकन तालिका (केवल कार्यालय उपयोग के लिए)/EVALUATION TABLE (ONLY FOR OFFICE USE)

प्र सं / Q. No.	प्राप्तांक /MARKS OBTAINED
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
Total/ कुल	

अभ्यर्थियों हेतु अनुदेश /INSTRUCTIONS FOR THE CANDIDATES

1 इस प्रश्न-उत्तर पुस्तिका में सार लेखन पृष्ठ तथा रफ कार्य हेतु पृष्ठ समेत कुल 12 पृष्ठ दिए गए हैं। प्रश्नों के अंक उनके साथ ही दिए गए हैं। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए प्रत्येक प्रश्न के साथ ही रिक्त स्थान दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर उसमें (प्रश्न-उत्तर पुस्तिका में) दिए गए स्थान में दिया जाना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर उसके लिए निर्धारित जगह पर ही दिया जाना चाहिए। **कोई अतिरिक्त पृष्ठ उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।** आपको प्रत्येक प्रश्न के सामने दिए गए स्थान को छोड़कर किसी भी स्थान पर नहीं लिखना चाहिए।

2 उत्तर लिखने के लिए नीली या काली/स्याही वाले बाल पॉइंट पेन का ही उपयोग किया जाये।

3. इससे पहले कि आप अपना विवरण भरना शुरू करें, कृपया सुनिश्चित कर लें कि पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या सही है और (पृष्ठ) यह कटे-फटे नहीं हैं। अगर ऐसा है, तो आप कोई भी उत्तर लिखने से पहले पुस्तिका बदलने के लिए अन्वीक्षक से अनुरोध करें।

4. ऊपर दिए गए बॉक्स में अपना विवरण सही ढंग से और स्पष्ट रूप मे भरें।

5 रफ़ कार्य के लिए पृष्ठ प्रश्न–उत्तर पुस्तिका में ही दिये गए हैं। रफ कार्य केवल इसके लिए दिए गए पृष्ठों पर ही किया जाना चाहिए। प्रश्न-पुस्तिका के किसी भी अन्य स्थान कुछ भी नहीं लिखना है।

6 मोबाइल या किसी भी अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग करने की अनुमति नहीं है

7 परीक्षा पूर्ण होने पर परीक्षा हॉल छोड़ने से पहले, इस प्रश्न-उत्तर पुस्तिका को अन्वीक्षक को सौंप दें।

8 यदि आप नकल या अनुचित साधनों का उपयोग करते हुए पाए जाते हैं तो इसे कदाचार माना जाएगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

अन्वीक्षक के हस्ताक्षर/Signature of the Invigilator________________________

रफ़ कार्य के लिए पृष्ठ

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

साहित्य, संगीत, कला विहीन: साक्षात पशु पुच्छ विषाण हीन:। साहित्य और संगीत के बिना मानव जीवन वैसे ही अधूरा है जैसे सींग एवं पूंछ के बिना पशु। साहित्य के संवर्द्धन में पुस्तकालयों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। पुस्तकालयों से साहित्य की रक्षा, पुष्टि और इसका संवर्द्धन होता है। पुस्तकालय हमारी सभ्यता के इतिहास के जीते जागते साक्ष्य हैं। इसी के बल पर वर्तमान भारत को अपने अतीत गौरव पर गर्व महसूस होता है। वैसे देखा जाय तो पुस्तकालय भारत के लिए कोई नई संकल्पना नहीं है। लिपि के आविष्कार के बाद से आज तक लोग लगातार पुस्तकों को संग्रह करते रहे हैं। पहले देवालय तथा विद्यालय इन संग्रहों के प्रमुख स्थान होते थे। इनके अतिरिक्त, विद्वान जनों के अपने निजी पुस्तकालय भी होते थे। मुद्रणकला के आविष्कार से पूर्व पुस्तकों का संग्रह करना आजकल की तरह इतना आसान न था। आजकल एक सामान्य पुस्तकालय में जितनी निधि की जरूरत होती है, उतनी उन दिनों कभी-कभी एक पुस्तक की तैयारी में लग जाया करती थी। भारत के पुस्तकालय संसार भर मेंअद्वितीय रहे हैं। प्राचीन काल से मुगल सम्राटों के समय तक लगभग यही स्थिति बनी रही। चीन, फारस जैसे सुदूर देशों से लोग ज्ञानार्जन के लिए लंबी लंबी यात्राएं करके भारत आया करते थे। पुस्तकालय ज्ञान के मंदिर स्वरूप होते हैं।

परंतु जैसे जैसे प्रौद्योगिकी का विकास होता गया वैसे वैसे पुस्तकालयों ने भी अपने परंपरागत स्वरूप को बदलकर नई तकनीक अपनाई और आजकल सभी बड़े तकनीकी संस्थानों के पुस्तकालय अत्याधुनिक, डिजिटल और सर्वत्र सुलभ हो गए हैं। आप विश्व के किसी भी भाग से इन पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों को एक क्लिक में खोलकर घर बैठे ज्ञानार्जन कर सकते हैं।

(15 अंक)

उपर्युक्त अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1.1 साहित्य, संगीत एवं कला से विहीन व्यक्ति की तुलना किससे की गई है?

उत्तर:

1.2 पुस्तकालयों के कारण भारत को प्राचीन काल में किस प्रकार का गौरव प्राप्त था?

उत्तर:

1.3 प्राचीन समय में पुस्तकों पर अधिक व्यय क्यों होता था?

उत्तर:

1.4 उपर्युक्त गद्यांश में पुस्तकालय को क्या उपमा दी गयी हैं ।

उत्तर:

1.5 आज के पुस्तकालयों की क्या विशेषता है?

उत्तर:

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों के दो विलोम शब्द लिखिए :-

(10 अंक)

(1) अग्रज (1)......................................(2)........................

(2) तम (1)......................................(2)........................

(3) सरल (1)......................................(2)........................

(4) क्षुद्र (1)......................................(2)........................

(5) शत्रु (1)......................................(2)........................

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :-

(10 अंक)

(1) अनुपम (1)......................................(2)........................
(2) अमृत (1)......................................(2)........................
(3) पुष्प (1)......................................(2)........................
(4) स्त्री (1)......................................(2)........................
(5) द्रव्य (1)......................................(2)........................

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :-

(10 अंक)

(1) डिजिटल इंडिया
(2) स्वदेशी अपनाएं
(3) आत्मनिर्भर भारत

विषय:...

प्रश्न 5. निम्नलिखित अंग्रेजी वाक्यांशों का हिंदी अनुवाद लिखिए :-

(5 अंक)

(1) This is in accordance with the extant rules ....

(2) This requires administrative approval ....

(3) Ultimately it has to be done. ....

(4) Waiting list may be renewed. ....

(5) Draft as amended, may be issued. ....

प्रश्न 6. नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :-

(5 अंक)

(1) जिसके पार देखा जा सके ....

(2) जो क्षमा करने योग्य है ....

(3) जिसे देखा नहीं जा सकता ....

(4) जो नष्ट होने वाला है ....

(5) जो मन को हर लेता है ....

प्रश्न 7. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए :-

(5 अंक)

(1) वर्गिकरण ....

(2) भवदिय ....

(3) अधीनियम ....

(4) नियुक्ती ....

(5) पदोन्नती ....

प्रश्न 8. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए :-

(5 अंक)

(1) अंधे की लकड़ी ....

....

(2) अपना उल्लू सीधा करना..

....

(3) कलम तोड़ना ....

....

(4) खाक छानना ....

....

(5) बात का धनी ....

....

प्रश्न 9. निम्नलिखित अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक देते हुए लगभग एक तिहाही शब्दों में सार लिखिए :-

पेड़ एक ओर लोगों को फल प्रदान करते हैं तो दूसरी तरफ छाया भी देते हैं। पेड़ स्वयं धूप, शीत और चिलचिलाती गर्मी को सहन करते हैं। उनसे लोगों को तरह तरह के विटामिनों के साथ ही स्वादिष्ट फलों की भी प्राप्ति होती है। यदि पेड़ों से फल, प्राणवायु और छाया न प्राप्त हो तो उनके लिए कहा जाता है कि "बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर, पंथी को छाया नहीं और फल लागे अति दूर"। वृक्ष हमारी धरा के अनमोल रत्न हैं क्योंकि वे हमारे पर्यावरण को भी स्वच्छ बनाते हैं। अच्छे मनुष्य का चरित्र भी पेड़ों की ही तरह होता है। यदि समस्त मानव जाति के लिए इस शरीर का उपयोग नहीं किया जाए तो इस नाशवान शरीर का क्या उपयोग है। चंदन को जितना अधिक घिसा जाए उससे उतनी ही अधिक सुगंध प्राप्त होती है।

गन्ने को छीलकर जितने अधिक टुकड़ों में काटा जाता है उससे उतना ही अधिक रस निकलता है। जो पुरुष दिल से महान नहीं होते हैं वे अपने सदगुणों को खो देते हैं और ऐसे ही इस संसार से विदा हो जाते हैं। लोग उनकी प्रशंसा करते हैं या नहीं; यह मायने नहीं रखता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे जल्दी मर जाते हैं या एक लंबा जीवन जीते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए जो लोग सही रास्ते पर चलते हैं, वे ही सही मायने में मनुष्य हैं। ऐसे व्यक्ति का जीवन बेकार होता है जो दूसरों के काम नहीं आता है। केवल अपने लिए जीने वाले लोगों का जीवन एक प्रकार का पशुवत जीवन है। जो लोग दूसरों की खातिर अपना जीवन जीते हैं वे निश्चय ही लोगों के मन में हमेशा के लिए बस जाते हैं। एक प्रसिद्ध कवि की ये पंक्तियां कितनी अच्छी तरह बखान करती हैं कि "वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए जिए" ।

(5+20=25 अंक)

शीर्षक : ______________________________

प्रत्येक खाने मे एक शब्द लिखें।

					5
					10
					15
					20
					25
					30
					35
					40

					45
					50
					55
					60
					65
					70
					75
					80
					85
					90
					95
					100
					105
					110
					115
					120
					125
					130
					135
					140
					145
					150

प्रश्न 10. निम्नलिखित वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए :-

(5 अंक)

(1) मैंने एक वर्ष तक उनकी प्रतीक्षा देखी।

शुद्ध रूप ....

(2) कई सौ वर्षों तक भारत के गले में पराधीनता की बेड़ियां पड़ी रहीं।

शुद्ध रूप ....

(3) मेरे लिए ठंडी बर्फ और गर्म आग लाओ।

शुद्ध रूप ....

(4) पशुओं का झुंड चारों ओर पानी की चाह में घूम रहा था।

शुद्ध रूप ....

(5) मेरा नाम श्री आनंदकुमार जी है।

शुद्ध रूप ....

प्रश्न 11. निम्नलिखित शब्दों का लिंग परिवर्तन कीजिए :-

(5 अंक)

(1) नर ....

(2) गूंगा ....

(3) बुद्धिमान....................................

(4) आत्मज ....

(5) लेखक ....